<u>प्रेस विज्ञप्ति</u>

एमएनआरई और इरेडा ने ओडिशा की हरित ऊर्जा संभावना के बारे में प्रकाश डालते के लिए भुवनेश्वर में सम्मेलन आयोजित किया

भुवनेश्वर, 12 जून 2024

नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) ने भारतीय अक्षय ऊर्जा विकास संस्था लिमिटेड (इरेडा) के सहयोग से आज भुवनेश्वर के वेलकम होटल में वैश्विक पवन दिवस के लिए एक पूर्व-कार्यक्रम सम्मेलन का आयोजन किया।

संयुक्त सचिव (एमएनआरई), श्री ललित बोहरा का संदेश इरेडा के निदेशक (वित्त), डॉ. बी. के. मोहंती के द्वारा पढ़ा गया , जिसमें उन्होंने संपूर्ण भारत में अक्षय ऊर्जा के तीव्र गति से विकास पर जोर दिया और ओडिशा सहित भारत सरकार द्वारा उठाए गए कदमों पर प्रकाश डाला। श्री बोहरा कुछ अपरिहार्य कारणों से व्यक्तिगत रूप से सम्मेलन में शामिल नहीं हो पाए। राष्ट्रीय पवन ऊर्जा संस्थान (एनआईडब्ल्यूई) के अनुसार, भारत की तटीय पवन ऊर्जा संभावना जमीनी स्तर से 150 मीटर ऊपर 1,164 गीगावाट अनुमानित है, जबकि ओडिशा की क्षमता 12 गीगावाट है।

अपने महत्वपूर्ण संबोधन में, इरेडा के सीएमडी, श्री प्रदीप कुमार दास ने ओडिशा की महत्वपूर्ण हरित ऊर्जा क्षमता और राज्य के भीतर आशाजनक अवसरों पर प्रकाश डाला । उन्होंने हरित हाइड्रोजन परियोजनाओं में अग्रणी होने की ओडिशा की क्षमता के बारे बताया, और स्थायी ऊर्जा पहलों को आगे बढ़ाने के लिए इस राज्य की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। दिनांक 31 मार्च 2024 के अनुसार, इरेडा ने अक्षय ऊर्जा में कुल

1,25,917 करोड़ रुपये का संचयी ऋण संवितरित किया है, जिसमें देश भर में पवन ऊर्जा परियोजनाओं के लिए 26,913 करोड़ रुपये संवितरित किए गए हैं। विशेष रूप से, ओडिशा में अक्षय ऊर्जा परियोजनाओं के लिए इरेडा द्वारा 1,637 करोड़ रुपये का ऋण संवितरित किया गया है।

श्री दास ने ओडिशा की अक्षय ऊर्जा नीति 2022 पर भी प्रकाश डाला, जिसका उद्देश्य स्वच्छ ऊर्जा में निवेश को बढ़ावा देना है, जिसमें नवीकरणीय ऊर्जा विनिर्माण और ग्रीन हाइड्रोजन, ग्रीन अमोनिया और फ्लोटिंग सोलर जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों पर विशेष ध्यान देना है । उन्होंने सतत राष्ट्रीय विकास के लिए अक्षय ऊर्जा के दोहन के महत्वपूर्ण महत्व की पुष्टि की और अक्षय ऊर्जा डेवलपर्स को ओडिशा और अन्य राज्यों में बढ़ते अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।